पीएम मोदी ने 17,300 करोड़ की... 12

मुख्यमंत्री ने घुंघचाई मॉडल थाना का किया वर्चुअल... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 15 | अंकः 138
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 29 फरवरी, 2024

किसानों को मिली प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि की 16वीं किस्त

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में बुधवार को एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि की 16वीं किस्त जारी होने के सजीव प्रसारण दिखाने के साथ समसमयिक जानकारियां दी गयी। बताते चले कि इस योजना के अंतर्गत लगभग 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को अब तक 2.80 लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। अब तक पात्र किसानों को 15 किस्त मिल चुकी है और आज 16वीं किस्त जारी की गयी। कार्यक्रम में ज्योंति, अनूपपुर, मझियार, सहतवनपुरवा से आये 140 कृषकों एवम कृषक महिलाओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने किसानों से बात करते हुए कहा कि कृषि में रखरखाव, देखभाल का अपना अलग महत्व है। जायद फसलों की बुआई का समय वैसे तो पिछले माह से ही शुरू हो गया है परंतु इस वर्ष गिरते तापमान के चलते कद्दूवर्गीय फसल तरबूज, खरबूज, लौकी, टिन्डा, कद्दू, करेला आदि के बीजों की बुआई यदि सीधे खेतों में नदी किनारे की गई हो तो अंकुरण में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि कद्दूवर्गीय सब्जियों को मानव आहार का एक अभिन्न अंग माना जाता है। इन्हें बेल वाली सब्जियों के नाम से भी जाना जाता है। लौकी, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू, तरबूज एवं खरबूज की खेती गर्मी के मौसम में आसानी से की जा सकती है। इन सब्जियों की अगेती खेती कर किसानों द्वारा अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। यह पोषण की दृष्टि से यह बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें आवश्यक विटामिन, खनिज तत्व पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं जो हमें स्वस्थ रखने में सहायक सिद्ध होते हैं।

डॉ.खलील खान ने बताया कि कद्दूवर्गीय सब्जियों की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है। लेकिन दुमट व बलुई दोमट मिट्टी अच्छी मानी जाती है क्योंकि इसमें जल निकास अच्छी तरह से हो जाता है।

मिट्टी में कार्बनिक तत्व पर्याप्त मात्रा में हो साथ ही पीएच मान करीब 6 से 7.5 के मध्य हो। इस अवसर पर डॉ.निमिषा अवस्थी सहित अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहे।

वर्ष-17 अंक-126 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 29 फरवरी 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

RNI No.- UPHIN/2007/27090

पीएम किसान सम्मान की 16वीं किस्त जारी होने का किसानों को दिखाया सजीव प्रसारण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि की 16वीं जारी होने के सजीव प्रसारण के साथ ही एक गोष्ठी का आयोजन कर समसमयिक जानकारियां दी गयी। योजना के अंतर्गत आज़ 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को अब तक 2.80 लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। अब तक पात्र किसानों को 15 किस्त मिल चुकी है और आज 16वीं किस्त जारी की गयी। कार्यक्रम में ज्योंति, अनूपपुर, मझियार, सहतवनपुरवा से आये 140 कृषकों एवम कृषक महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कृषकों से वार्ता करते केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कृषि में रखरखाव, देखभाल का अपना अलग महत्व है।जायद फसलों की बुआई का समय वैसे तो पिछले माह से ही शुरू हो गया है परंतु इस वर्ष गिरते तापमान के चलते कद्दूवर्गीय फसल तरबूज, खरबूज, लौकी, टिन्डा, कद्दू, करेला आदि के बीजों की बुआई यदि सीधे -सीधे खेतों में नदी किनारे की गई हो तो अंकुरण में गिरावट आ सकता है। कद्दूवर्गीय सब्जियों को मानव आहार का एक अभिन्न अंग माना जाता है। इन्हें बेल वाली सब्जियों के नाम से भी जाना जाता है जैसे - लौकी, खीरा, तोरई, करेला, कद्दू, तरबूज एवं खरबूज की खेती गर्मी के मौसम में आसानी से की जा सकती है। इन सब्जियों की अगेती खेती करके किसानों द्वारा अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। पोषण की दृष्टि से यह बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें आवश्यक विटामिन, खनिज तत्व पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं जो हमें स्वस्थ रखने में सहायक सिद्ध होते हैं। कद्दूवर्गीय सब्जियों की उपलब्धता वर्ष में आठ से दस महीने तक रहती है।डॉ खलील खान ने बताया की कद्दूवर्गीय सब्जियों की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है। लेकिन दुमट व बलुई दोमट मिट्टी अच्छी मानी जाती है क्योंकि इसमें जल निकास अच्छी तरह से हो जाता है। मिट्टी में कार्बनिक तत्व पर्याप्त मात्रा में हो साथ ही पीएच मान करीब 6 से 7.5 के मध्य हो। इस अवसर पर डॉक्टर निमिषा अवस्थी सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

अमर उजाला 29/02/2024

संगोष्ठी में किसानों को दी जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि की 16वीं जारी होने के सजीव प्रसारण के साथ ही गोष्ठी का आयोजन किया गया। केंद्र प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि कृषि में रखरखाव, देखभाल का अपना अलग महत्व है। जायद फसलों की बुआई का समय वैसे तो पिछले माह से ही शुरू हो गया है लेकिन इस साल गिरते तापमान के चलते कद्दूवर्गीय फसल तरबूज, खरबूज, लौकी, टिंडा, कद्दू, करेला के बीजों की बुआई यदि नदी किनारे के खेतों में सीधे-सीधे की गई हो तो अंकुरण में गिरावट आ सकता है। डॉ. खलील खान ने बताया कि कद्दूवर्गीय सब्जियों की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है। (ब्यूरो)